http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 101

प्रयागराज शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

यूपीः क्या स्कूलों में फिर शुरू होंगी नाग पंचमी

● अनंत चतुर्दशी और पितृ विसर्जन की छुट्टियां, सीएम को लिखा पत्र

लखनऊ,(एजेंसी)। यूपी के स्कूलों में नाग पंचमी, अनंत चतुर्दशी, पितृ विसर्जन, नवरात्रि पहले दिन की छुट्टी फिर से शुरू करने की मांग की गई है। इस बारे में शिक्षक संगठन ने सीएम को पत्र लिखा है। प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर परिषदीय विद्यालयों में भारतीय संस्कृति से संबंधित प्रमुख पर्वों की छुट्टियां फिर से बहाल करने की मांग की है। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने बताया है कि कुछ अधिकारियों ने पर्वों का महत्व जाने बिना ही पूर्व में कई पर्वों की छुट्टियों को रद्द कर दिया है। इसके कारण समाज में सरकार की छवि सनातन विरोधी बन रही है। मौनी अमावस्या, भैयादूज, जमात उल विदा (अलविदा), नाग पंचमी, अनंत चतुर्दशी, पितृ विसर्जन, नवरात्रि पहले दिन की छुट्टी पूर्व में होती थी। किंतु अधिकारियों ने बिना इन पर्वों का महत्व जाने इनको रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके कारण शिक्षक व बच्चे अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं धार्मिक दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में इस तथ्य की जांच की जानी चाहिए कि इन बड़े पर्वों के अवकाश को क्यों समाप्त किया गया। उन्होंने मांग की है कि बेसिक शिक्षा परिषद की 2025 की अवकाश तालिका में इन पर्वों पर अवकाश घोषित किया जाए।

सबसे कम उम्र के शतरंज प्लेयर को बाल पुरस्कारः 17 बच्चे सम्मानित, पीएम बोले...

बेस्ट ही हमारा स्टैंडर्ड

● वीर बाल दिवस पर पीएम ने 17 बच्चों को किया सम्मानित, उभरती तकनीकों में कौशल प्रदान करने का किया आह्वान

● राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए

पीएम मोदी ने बाल पुरस्कार विजेताओं से मुलाकात की। उन्हें ऑटोग्रॉफ दिए।

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को सात श्रेणियों में 17 बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में श्री मुर्मू ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा कि पूरे देश और समाज को उन पर गर्व है। उन्होंने बच्चों से कहा कि उन्होंने असाधारण काम किया है, अद्भुत उपलब्धियां हासिल की हैं, उनके पास असीमित क्षमताएं हैं और उनके पास अतुलनीय गुण हैं। उन्होंने देश के बच्चों के लिए एक मिसाल कायम की है। राष्ट्रपति ने कहा कि बच्चों को अवसर प्रदान करना और उनकी प्रतिभा को पहचानना हमारी परंपरा का हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि इस परंपरा को और मजबूत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में जब हम भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे, तब ये पुरस्कार विजेता देश के प्रबुद्ध नागरिक होंगे। ऐसे प्रतिभाशाली लड़के–लड़कियां विकसित भारत के निर्माता बनेंगे। भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए युवाओं को तैयार करना जरूरीरू पीएम उन्होंने कहा, ष्यह युग मशीनों से आगे बढ़कर मशीन लर्निंग की ओर बढ़ गया है। एआई केंद्र में आ गया है और हम इसके अनुप्रयोग को पारंपरिक सॉफ्टवेयर की जगह लेते हुए देख सकते हैं। हमारे युवाओं को इन चुनौतियों से निपटने के लिए भविष्य के लिए तैयार करना आवश्यक है।ष उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार युवा प्रतिभाओं का समर्थन करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। वीर बल दिवस मनाने वाले एक समारोह में, मोदी ने गुरु गोविंद सिंह के बेटों, साहिबजादों के ष्अद्वितीयष बलिदान को याद किया, जिन्होंने ष्मुगल साम्राज्य के उत्पीड़न के आगे समर्पण करने के बजाय अटूट साहस और विश्वासष को चुना। ष300 साल से भी अधिक पहले, 26 दिसंबर को, साहिबजादों ने अपनी कम उम्र के बावजूद, अद्वितीय बहादुरी का प्रदर्शन किया और अपने जीवन का बलिदान दिया। राष्ट्र के हित में किया गया प्रत्येक कार्य वीरता का कार्यरू पीएम मोदी पीएम ने युवाओं से उनकी विरासत से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस एक स्थायी सबक सिखाता हैरू ष्चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, राष्ट्र के हित से बढ़कर कुछ नहीं है।

महाकुंभः सहायता और आपदा राहत में अहम भूमिका निभाएगा

प्रयागराज। आगामी महाकुंभ में मध्यवायु कमान नागरिक उड्डयन गतिविधि को बढ़ावा देने से लेकर मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) कवर के प्रावधान तक महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगा। वायुसेना स्टेशन बमरौली 20 दिसंबर 2024 से 28 फरवरी 2025 तक 24 ग 7 आधार पर सिविल अनुसूचित, गैर–अनुसूचित और चार्टर्ड उड़ान के लिए महाकुंभ –2025 के लिए उड़ान संचालन की सुविधा के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में कार्य करेगा। बमरौली वायुसेना स्टेशन पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम को कैट– प्प आईएलएस के रूप में बनाए रखा गया है ताकि सर्दियों के मौसम में खराब दृश्यता की स्थिति के दौरान भी उड़ान संचालन को सुविधाजनक बनाया जा सके। स्टेशन ने कौशाम्बी से एयरपोर्ट हाईवे और बेगम बाजार में रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के चार लेन के निर्माण और तेजी से खोलने की सुविधा प्रदान की है तथा सिविल एयरपोर्ट टर्मिनल के समय पर विस्तार के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को हर संभव सहायता प्रदान की गई है। भारतीय वायुसेना ने मेला स्थल पर एक समर्पित बचाव समन्वय दल बनाए रखने की भी योजना बनाई है।

बिहार सरकार निरंकुश हो चुकी हैः पप्पू यादव

पटना,(एजेंसी)। बिहार में पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया है कि प्रदेश की सरकार निरंकुश हो गयी है। श्री यादव बुधवार की देर रात गर्दनीबाग धरना स्थल पहुंचे और उन्होंने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षार्थियों से बातचीत की। उन्होंने धरना स्थल पर लाठीचार्ज से घायल छात्रों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार निरंकुश हो चुकी हैं। छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना निंदनीय हैं। निहत्थे छात्रों पर लाठी चलाने की घटना की जितनी भी निंदा की जाए वह कम होगा। सांसद ने कहा कि सरकार चाहे जितना भी जुल्म छात्रों पर कर ले उसे बीपीएससी की फिर से परीक्षा लेनी होगी। मैं छात्रों के साथ हर कदम पर खड़ा हूँ। छात्रों की लड़ाई मैं सड़क से लेकर सदन तक लडूँगा। उन्होंने छात्रों से आह्वान करते हुए कहा की आप अपनी आंदोलन की ताकत को बढ़ाइए।हमारा पूरा सपोर्ट इस आंदोलन को रहेगा।

साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहरः सीएम योगी

● सीएम योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि, कहा - सिख पंथ की शुरुआत ही देश व धर्म के लिए हुई थी

लखनऊ,(एजेंसी)। वीर बाल दिवस के मौके पर लखमऊ में 5 कालिदास मार्ग स्थित सीएम आवास पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन गुरू गोविंद सिंह जी के साहिबजादों के बलिदान की स्मृति में किया गया। जिसमें ऐतिहासिक समागम एवं सहज पाठ द्वारा 11,000 सहज–पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीएम योगी ने लोगों को संबोधित भी किया। बता दें कि कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, स्वतंत्रदेव सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और सिख समाज के कई लोग मौजूद रहे। सीएम योगी ने एक्स पर किया पोस्ट देशभर में आज मनाए जा रहे वीर बाल दिवस के पावन अवसर पर लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुए कार्यक्रम की तस्वीरें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है। तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा, ष्वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) के अवसर पर लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप का आगमन हुआ। गुरु श्री गोबिंद सिंह महाराज के चार साहिबजादों का अतुलनीय बलिदान मातृभूमि और स्वधर्म की रक्षा हेतु सभी को प्रेरणा प्रदान करता रहेगा।ष साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर – योगी योगी ने आगे कहा, ष्देश, धर्म और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए महान बलिदान देने वाले गुरु श्री गोबिंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों के बलिदान दिवस 'वीर बाल दिवस' (साहिबजादा दिवस) पर उन्हें शत–शत नमन! यह गौरव गाथा भारतीय समाज को धर्म, नैतिकता और देशभक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करती है।ष्सिख–हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं सीएम ने कहा कि देश के इस जुझारू व समृद्ध कौम ने सामर्थ्य, पुरुषार्थ व परिश्रम से मिसाल प्रस्तुत की है। कभी बड़ी संख्या में फौज में जाकर सिखों ने भारत की सुरक्षा के लिए खुद को समर्पित किया, लेकिन वे कौन दुश्मन हैं, जो उनके परिश्रम व पुरुषार्थ को कुंद करने की साजिश कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को ड्रग की चपेट में लाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इन्हें पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। सिख–हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। गुरु महाराज हमें मित्र–शत्रु पहचानने की ताकत दें। कोई महसूस नहीं कर सकता इनका दर्द... सीएम ने कहा कि 2019 में गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री आवास पर शबद–कीर्तन कार्यक्रम हुआ था।

पटना घटनाः प्रियंका गांधी ने की निंदा, कहा– रोजगार मांगने पर हो रहा अत्याचार

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा 13 दिसंबर को संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा कराई गई थी। अभ्यर्थियों का आरोप है इसका प्रश्नपत्र लीक हुआ है। जबकि आयोग ने इससे इन्कार किया है। परीक्षा रद्द कराने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर बुधवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इस पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि यहां जो भी रोजगार मांगता है, उस पर अत्याचार किया जाता है। पटना में बीपीएससी की संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किए जाने पर कांग्रेस नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी का एकमात्र लक्ष्य अपनी कुर्सी बचाना है। यहां जो भी रोजगार मांगता है, उस पर अत्याचार किया जाता है। अपने व्हाट्सएप चौनल पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने लिखा कि हाथ जोड़े युवाओं पर लाठीचार्ज करना क्रूरता की पराकाष्ठा है। भाजपा राज में रोजगार मांगने वाले युवाओं को लाठियों से पीटा जाता है। चाहे यूपी हो, बिहार हो या मध्य प्रदेश अगर युवा आवाज उठाते हैं तो उन्हें बेरहमी से पीटा जाता है। उन्होंने लिखा कि दुनिया के सबसे युवा देश के युवाओं के भविष्य के बारे में सोचना और उसके लिए नीतियां बनाना सरकार का काम है। लेकिन भाजपा के पास केवल अपनी कुर्सी बचाने का नजरिया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यहां जो भी रोजगार की मांग करता है, उस पर अत्याचार किया जाता है।

आप और कांग्रेस में तकरार

● केजरीवाल पर एफआईआर चाहती है कांग्रेस, 'आप' का पलटवार- 'इंडिया' से बाहर करने पर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आप सूत्रों के हवाले से खबर है कि इंडी गठबंधन से कांग्रेस को बाहर कराने के लिए आम आदमी पार्टी दूसरी पार्टियों से बातचीत करेगी। आप का कहना है कि कांग्रेस भाजपा के साथ मिलकर काम कर रही है। कांग्रेस को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं में भारी नाराजगी है। आप सूत्रों के हवाले से खबर है कि इंडी गठबंधन से कांग्रेस को बाहर कराने के लिए आम आदमी पार्टी दूसरी पार्टियों से बातचीत करेगी। आप का कहना है कि कांग्रेस भाजपा के साथ मिलकर काम कर रही है। अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर की मांग व कांग्रेस के नेताओं के बयानों को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं में नाराजगी है। 24 घंटे में अजय माकन पर हो कार्रवाईरू आप आप नेता संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने के लिए कांग्रेस हर संभव कोशिश कर रही है। भाजपा कांग्रेस का फंडिंग कर रही है। अजय माकन भाजपा का स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल को श्देशद्रोहीश कहा, पार्टी 24 घंटे में उनके खिलाफ कार्रवाई करे। कार्रवाई नहीं हुई तो हम कांग्रेस को इंडी गठबंधन से अलग करने की मांग करेंगे। प्रदेश युवक कांग्रेस के अध्यक्ष ने केजरीवाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत की प्रदेश युवक कांग्रेस के अध्यक्ष एडवोकेट अक्षय लाकड़ा ने आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी से जुड़े अन्य सदस्यों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने संसद मार्ग थाने में शिकायत की है। अक्षय लाकड़ा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर दिल्ली की जनता को गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि आप के विधायक और एमसीडी पार्षदों की ओर से कथित तौर पर व्यक्तिगत डेटा मतदाता पहचान पत्र और फोन नंबर एकत्रित किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में ओटीपी सत्यापन का उपयोग किया जा रहा है, जिससे जनता का विश्वास तोड़ा गया है। वहीं दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई योजना लागू नहीं की गई है।

लाकड़ा ने आरोप लगाया कि यह कदम धोखाधड़ी और जालसाजी का स्पष्ट उदाहरण है, जिससे जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास किया गया। महिलाओं को गुमराह कर रही आप।

आप ने कांग्रेस पर दिल्ली में भाजपा के साथ मिली भगत का लगाया आरोप

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के कुछ बयानों से भड़की आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के साथ साठगांठ करने पर आरोप लगाते हुये कांग्रेस नेता अजय माकन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। आप के नेताओं ने गुरुवार को कहा कि वे कांग्रेस को अखिल भारतीय विपक्षी

गठबंधन इंडिया से बाहर करने की मांग उठाने पर भी विचार कर रहे हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन कहा है कि कांग्रेस ने दिल्ली में आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल का पूर्व में साथ देकर गलती की, जिसका खामयाजा पार्टी को अब तक भुगतना पड़ रहा है। आप नेता संजय सिंह ने यहां मुख्यमंत्री आतिशी के साथ एक संवाददाता सम्मलेन में कहा, " कांग्रेस नेता अजय माकन भाजपा द्वारा भेजी गयी स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और आप के नेताओं पर निशाना साधते हैं। " श्री सिंह ने कहा, " अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्लीवालों के लिए बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा का इंतजाम किया, लेकिन कांग्रेस ने केजरीवाल जी को देशद्रोही कहा। " आप नेता सिंह ने कांग्रेस से श्री माकन पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है तथा कहा है कि यदि कांग्रेस ऐसा नहीं करती है।

कांग्रेस अधिवेशन में भारत का गलत नक्शा

● भाजपा का आरोप- पूरा कश्मीर नहीं दिखाया, ये तुष्टिकरण की राजनीति

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नक्शे में जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दर्शा दिया गया है। इसे लेकर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हो रही है। हालांकि यह बैठक अपने आयोजन से पहले ही विवाद में फंस गई है। दरअसल बैठक के लिए जो बैनर पोस्टर लगाए गए हैं, उनमें भारत का गलत नक्शा दिखाया गया है। इसे लेकर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और आरोप लगाया कि नक्शे में जम्मू कश्मीर के पाकिस्तान अधिकृत हिस्से और अक्साई चिन को भारत का हिस्सा नहीं दर्शाया गया है। भाजपा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। श्ये तुष्टिकरण की राजनीतिश कांग्रेस अधिवेशन के लिए लगे पोस्टर बैनर की तस्वीर साझा करते हुए कर्नाटक भाजपा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखा है। जिसमें पार्टी ने लिखा कि श्कर्नाटक कांग्रेस ने भारत की संप्रभुता का अपमान किया है और बेलगावी के कार्यक्रम में भारत का गलत नक्शा दर्शाया है। नक्शे में कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है। ये सब सिर्फ वोटबैंक के तुष्टिकरण के लिए किया जा रहा है। यह बेहद शर्मनाक है।श भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस नेतृत्व पर उठाए गंभीर सवाल भाजपा के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। भाजपा सांसद ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और अक्साई चिन के हिस्से को भारत के नक्शे से गायब कर दिया गया है। भाजपा ने कहा कि श्भारत को छिन्न–भिन्न करने वाली शक्तियों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ साफ हो गया है। कांग्रेस की तरफ से पहले भी इसी तरह भारत के नक्शे से छेड़छाड़ की गई है। पूर्व में डीएमके ने भारत का गलत नक्शा दिखाया। जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और अक्साई चिन को गायब दिखाया गया। कोरोना के समय राहुल गांधी ने भी एक ट्वीट किया था, उसमें भी अक्साई चिन और पीओके गायब था। शशि थरूर ने 21 दिसंबर 2019 को भारत का नक्शा सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें भी गड़बड़ी थी।श भाजपा का सवाल– जानबूझकर तो साजिशन गलत नक्शे नहीं दिखाए जा रहे?

भाजपा ने सवाल किया कि श्पिछले काफी समय से भारत के नक्शे में जो गड़बड़ी दिखाई जा रही है, वह क्या सिर्फ संयोग है या फिर किसी व्यवस्थित भारत विरोध का हिस्सा है?

दिन होंगे मुश्किल

केंद्रीय भूजल बोर्ड की नवीनतम रिपोर्ट ने देश में भूजल के स्तर को लेकर कुछ ऐसे तथ्य रेखांकित किए हैं, जो चिंता पैदा करते हैं। यह चिंता तो पर्यावरणविदों को लंबे समय से सता रही है कि देश में भूजल का स्तर लगातार गिर रहा है, लेकिन इस नवीनतम रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है कि गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ और पश्चिमी बंगाल में जहां कुओं के जल स्तर में अपेक्षाकृत सुधार हुआ है, वहीं राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों में कुओं के जलस्तर में आमतौर पर गिरावट देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में तो 66 फीसदी कुओं में जलस्तर गिरा है। यह स्थिति इसलिए चिंतित करती है क्योंकि इस वर्ष देश में अच्छी वर्षा हुई है। राजस्थान में तो भूजल संरक्षण की एक पुष्ट परंपरा है। पश्चिमी राजस्थान का एक बड़ा हिस्सा रेगिस्तानी है और रेगिस्तान में जल की उपलब्धि कम होने के कारण पारंपरिक तौर पर यहां पानी बचाना सामाजिक जिम्मेदारी का काम माना जाता है। चूंकि रेगिस्तान में जल की उपलब्धि अपेक्षाकृत विरल होती है, इसलिए प्राचीनकाल में तालाब, कुएं, बावड़ी, कुंड या जोहड़ बनवाना बहुत पुण्य का काम माना जाता था।

पश्चिमी राजस्थान के तो कुओं के वास्तु का अध्ययन भी बहुत रोचक हो सकता है। ये कुएं न केवल इतने गहरे हैं कि इन्हें पातालतोड़ कुआं कह दिया जाता है बल्कि ये इतने विशाल भी होते हैं कि इनके ऊपर हुए निर्माण में बरसों तक सरकारी ऑफिस तक चले हैं। पश्चिमी भारत में कुछ बावडियां तो इतनी विशाल हैं कि जरूरत पडने पर पूरी सेना इन बावडियों में शरण ले सकती थी। बूंदी जिले में हिण्डोली के तालाब के बारे में एक रोचक कथा है। कहते हैं कि सदियों पहले एक बंजारे ने इधर से गुजरते हुए अपनी बेटी का विवाह यहां के एक युवक से कर दिया। एक दिन बेटी किसी कारण से जब गंदे पांव लेकर घर में घुस गई तो सासू मां ने ताना दिया –'तेरे पिता ने कौनसा तालाब बनवा रखा है, जो बार–बार घर साफ करने के लिए यहां पानी बहाते रहेंगे?' यह बात बंजारे को पता चली तो वह अपने काफिले के साथ आया और उसने गांव में सचमुच तालाब बनवा दिया। प्राचीनकाल में श्रेष्ठियों के घरों में, मंदिरों में, सामुदायिक भवनों में और सार्वजनिक स्थलों पर कुएं हुआ करते थे। उस दौर में कुएं, बावड़ी, कुंड, तालाब, जोहड़ वर्षा जल को स्वयं में संचित करके न केवल आसपास की आबादी को रोजमर्रा की आवश्यकता के लिए जल उपलब्ध कराते थे, बल्कि भूजल स्तर को बढ़ाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते थे।

समय और समाज की बदलती हुई प्राथमिकताओं ने अधिकांश प्राचीन कुओं, बावडियों, तालाबों, कुंडों को उपेक्षा के गर्त में धकेल दिया। दुर्भाग्य से नदियां तो प्रदूषण की मार झेल ही रही हैं, बरसात के पानी के संरक्षण को लेकर भी समाज बहुत सजग नहीं रह गया है। 70 के दशक के अंत में जब गांव–गांव में नलकूपों के माध्यम से जलापूर्ति संभव करने का अभियान चला तो धरती की गोद में छुपे पानी के भंडारण को अपनी आवश्यकता के अनुसार बाहर निकालने का साधन तो लोगों को मिल गया लेकिन धरती के अंक की जल समृद्धि को बचाए और बनाए रखा जा सके, इस दृष्टि से गंभीर प्रयास नहीं हुए। कुछ लोगों को लगता है कि पृथ्वी की दो तिहाई सतह पानी से ढंकी हुई है, फिर पानी की कमी की संभावना को लेकर इतनी हाय–तौबा क्यों?दरअसल, उन लोगों को यह नहीं मालूम कि दुनिया में उपलब्ध कुल पानी का केवल दो से तीन प्रतिशत पानी ही शुद्ध रूप में मनुष्य उपयोग कर सकता है और अभी दुनिया में आबादी का एक बड़ा हिस्सा पानी की कमी का सामना कर रहा है। भारत जैसे देश में, जहां अधिकांश हिस्सों में नदियों का जाल है, दुनिया की आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा रहता है, पानी की उपलब्ध मात्रा दुनिया के कुल स्वच्छ जल का केवल चार प्रतिशत है। पानी बचाना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। केवल जिम्मेदार संस्थानों के प्रावधानों से स्थिति में सुधार नहीं होगा, बल्कि पूरे समाज को समझना होगा कि यदि भूजल का संरक्षण नहीं किया गया, भूजल का दुरुपयोग बंद नहीं किया गया तो पीढिघ्यों के लिए दिन बहुत मुश्किल भरे होंगे।

कटाई पर हर हाल में अंकुश जरूरी

ऐसे दौर में, जब पर्यावरण विशेषज्ञ दुनियाभर में घटते जंगलों पर चिंता जता रहे हों, भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआइ) की ताजा रिपोर्ट ने थोड़ी राहत दी है। इसके मुताबिक 2021 से 2023 तक भारत का कुल वन और वृक्ष आवरण क्षेत्र 1,445 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। देश को हरा–भरा रखने में मध्य प्रदेश सबसे आगे है। रिपोर्ट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में भी दो साल पहले के मुकाबले हरियाली बढ़ी है। इससे संकेत मिलते हैं कि देश में कई साल से जारी सामाजिक वानिकी, वन उत्सव और वृक्षारोपण जैसी योजनाओं का असर दिखने लगा है। रिपोर्ट में यह तथ्य चिंताजनक है कि उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के राज्यों में वन और वृक्ष आवरण क्षेत्र घटा है। इसके कारणों की समीक्षा के साथ इन राज्यों में वनों के संरक्षण और संवर्धन पर ध्यान देने की जरूरत है।

राष्ट्रीय स्तर पर वन और वृक्ष आवरण क्षेत्र का दायरा बढने के बावजूद पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से लक्ष्य फिलहाल काफी दूर है। देश की वन नीति के हिसाब से कुल भौगोलिक क्षेत्र में 33 फीसदी हिस्सेदारी वन क्षेत्र की होनी चाहिए। एफएसआइ की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक यह हिस्सेदारी 25. 17 फीसदी तक ही पहुंची है। एफएसआइ ने सर्वेक्षण रिपोर्ट की शुरुआत 1987 में की थी। तब से अब तक यह हिस्सेदारी करीब दो फीसदी ही बढ़ी है। हर दो साल में जारी होने वाली रिपोर्ट में वन और वृक्ष आवरण क्षेत्र में घटत–बढ़त होती रहती है। कुल भूमि के मुकाबले वनों के अनुपात का ग्राफ ज्यादा ऊपर नहीं उठता। जाहिर है, दुनिया के दूसरे देशों की तरह जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण भारत में भी जंगल प्राकृतिक तौर पर फल–फूल नहीं पा रहे हैं। विकास परियोजनाओं और खनन के लिए जंगलों की कटाई बड़ी समस्या है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट भी समय–समय पर चिंता जताता रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कटाई से हर साल करीब एक करोड़ हेक्टेयर वन क्षेत्र घट रहा है। दो साल पहले एक रिपोर्ट में बताया गया था कि दस साल में देश के 52 टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र में 22.62 वर्ग किलोमीटर की कमी आई। यानी जहां बाघ रहते हैं, वहां भी जंगल सिकुड़ रहे हैं। पूर्वोत्तर में हाइवे और एयरपोर्ट बनाने के लिए वनों की कटाई की गई। जंगलों की कटाई से होने वाले नुकसान की भरपाई सिर्फ वृक्षारोपण से नहीं की जा सकती। ऐसा इसलिए क्योंकि जंगल कटने के कारण प्रकृति की लय बिगडने से नए खतरे सिर उठाते हैं। ऐसे में मानव सभ्यता को इन खतरों से बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर जंगलों की रक्षा की दूरगामी रणनीति बनाना जरूरी है।

कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना जरूरी

समीर पंडिता

भारत का लक्ष्य 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना है, इसलिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परिवहन क्षेत्र को कार्बन–मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, ईवी को व्यापक रूप से अपनाना एक विश्वसनीय और सुलभ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशानिर्देश 2024 जारी किए हैं। यह देश भर में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया एक ढांचा है। एक मजबूत ईवी चार्जिंग नेटवर्क का निर्माण न केवल सुविधा के लिए बल्कि ऊर्जा, सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा का लाभ उठाने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस विकास से नए उद्योग सृजन, रोजगार पैदा करने और नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी तकनीक और स्मार्ट ग्रिड सिस्टम में नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दिशानिर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं

दिशानिर्देश 2024 शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों एवं दोपहिया वाहनों से लेकर भारी–भरकम ट्रकों तक, विभिन्न प्रकार के वाहनों की जरूरतों को पूरा करने वाले चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेज गति से विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करते हैं। दिशा–निर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैंरू

सार्वजनिक और निजी चार्जिंग स्टेशनरू दिशा–निर्देश 2024 में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण अनिवार्य किए गए हैं, ताकि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच सुनिश्चित किया जा सके। ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी उपलब्धता महत्वपूर्ण है। वे आवासीय परिसरों, कार्यालयों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में निजी चार्जिंग पॉइंट को बढ़ावा देते हैं। यह व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए पहुंच को सरल बनाते हैं और शहरी और उपनगरीय निवासियों के बीच ईवी अपनाने को और बढ़ावा देते हैं। एक इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ता के रूप में, आपको दिल्ली से शिमला की यात्रा करते समय अपनी ईवी बैटरी चार्ज करने की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आपको राजमार्ग पर प्रत्येक 20 किलोमीटर पर एक चार्जिंग प्वाइंट मिल जाएगा। शहर में आने के बाद, आप बिना किसी चिंता के अपने घर या कार्यालय में चार्ज कर सकते हैं।

पारस्परिकता (इंटरऑपरेबिलिटी) रू दिशा–निर्देश 2024 की एक प्रमुख विशेषता विभिन्न चार्जिंग नेटवर्क के बीच पारस्परिकता पर जोर देना है। इसका मतलब है कि ईवी उपयोगकर्ता चार्जिंग उपकरण के निर्माता या वाहन के प्रकार की चिंता किए बिना किसी भी चार्जिंग स्टेशन पर अपने वाहन चार्ज कर सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर व्यापक रूप से सुलभ और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल हो। ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए, पारस्परिकता संभावित रूप से कम शुल्क के साथ कई चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच को सक्षम करके अधिक सुविधा, लचीलापन, कम रेंज की चिंता, लागत बचत प्रदान करती है। इसलिए, अगली बार जब आप यात्रा करेंगे, तो आप हाईवे पर या शहर में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन पर अपने ईवी को चार्ज करने के लिए लंबी कतार में इंतजार करते हुए निराश नहीं होंगे। चार्जर्स की पारस्परिकता के लिए धन्यवाद, आप निकटतम चार्जिंग स्टेशन का अविलंब पता लगाने के लिए किसी भी चार्जिंग सेवा प्रदाता के मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

स्मार्ट चार्जिंगरू दिशा–निर्देश 2024 स्मार्ट चार्जर्स के उपयोग को बढ़ावा देते हैं, जो ऊर्जा खपत को अनुकूलित करने के लिए ग्रिड प्रबंधन प्रणालियों के साथ एकीकृत होते हैं। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को व्यस्त समय के अलावा (ऑफ–पीक) चार्जिंग सत्र शेड्यूल करने से बिजली की मांग कम होती है। इससे लागत कम होती है और पावर ग्रिड पर बोझ कम करता है। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को ऑफ–पीक घंटों के दौरान चार्जिंग शेड्यूल करके लागत कम करने में सक्षम बनाता है। यात्रा के लिए

चार्जिंग स्टेशन की उपलब्धता पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं। एक डिस्कॉम के रूप में, आप अपने ग्रिड को स्थिर करने में मदद करने के लिए स्मार्ट ईवी चार्जर्स को प्राथमिकता देंगे। ईवी को सिस्टम में आसानी से एकीकृत करने की अनुमति देंगे, क्योंकि अप्रबंधित चार्जिंग आपके ग्रिड को ओवरलोड कर आपके परिचालन व्यय को बढ़ा सकती है तथा ग्रिड की विश्वसनीयता एवं स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

सुरक्षा और विश्वसनीयता मानकरू दिशा–निर्देश 2024 में चार्जिंग स्टेशनों के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को अनिवार्य किया गया है, जिसमें अग्नि सुरक्षा, विद्युत खतरे से सुरक्षा और स्पष्ट संकेत शामिल हैं, जो सार्वजनिक स्टेशनों के लिए उपयोगकर्ता की चिंताओं को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, उन्हें अनुपलब्ध चार्जिंग पॉइंट के कारण ड्राइवरों को फंसे रहने से बचाने के लिए राजमार्ग स्टेशनों पर निर्बाध सेवा की आवश्यकता होती है। इसलिए, एक ईवी उपयोगकर्ता के रूप में, सुरक्षित, उच्च–गुणवत्ता वाले और विश्वसनीय चार्जर होने का मतलब है कि आपको बिजली के झटके, आग या किसी खराबी जैसे संभावित खतरों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। इससे आपको मन की शांति मिलती है और आपका वाहन सुरक्षित रूप से चार्ज होता है। साथ ही, विश्वसनीय चार्जर के साथ, आप दोषपूर्ण उपकरणों के कारण आप रास्ते में फंसेंगे नहीं और इससे आपकी यात्रा आसान और तनाव मुक्त रहेगी।

निजी निवेश को प्रोत्साहन एवं बढ़ावारू सरकार ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए भूमि की उपलब्धता बढ़ाने हेतु अभिनव व्यवसाय मॉडल को प्रोत्साहित करने के लिए कई तरह के वित्तीय प्रोत्साहन दे रही है। इन उपायों का उद्देश्य ईवी चार्जिंग पर लागत कम करना और विशेष रूप से ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में इसकी स्थापना को सरल बनाना है। इस संबंध में जारी दिशा–निर्देश सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) को चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेजी लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। निजी क्षेत्र के संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, स्थानीय सरकारें ईवी चार्जिंग नेटवर्क का अधिक कुशलता से विस्तार कर सकती हैं। चार्जिंग व्यवसाय में निवेश करने को उत्सुक एक चार्ज पॉइंट ऑपरेटर के रूप में आपको पता चलता है कि चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने से जुड़ी सबसे बड़ी लागत भूमि है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग, सस्ती भूमि तक पहुंच और प्रचार आपूर्ति शुल्क की उपलब्धता के साथ, आप अपने शुरुआती निवेश और परिचालन व्यय को काफी कम कर सकते हैं। रणनीतिक स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके, आप ईवी चलाने वालों को बेहतर सेवा दे सकते हैं और अधिक मजबूत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान दे सकते हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

अक्षय ऊजार्रू ईवी के संबंध में दिशा–निर्देश सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों के साथ चार्जिंग स्टेशनों को जोडने को बढ़ावा देते हैं। यह सुनिश्चित करते हैं कि ईवी स्वच्छ ऊर्जा से संचालित हों और उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें। आप अपने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और अपनी चार्जिंग लागत को कम करने के लिए अपनी ईवी बैटरी को अक्षय ऊर्जा से चार्ज करना पसंद करेंगे। आप छूट का लाभ उठाने के लिए सुबह 9रू00 बजे से शाम 4रू00 बजे के बीच सौर घंटों के दौरान सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन, निवास या कार्यालय में चार्ज करना पसंद करेंगे। इस तरह, आप पहले से ही व्यस्त ग्रिड पर लोड बढ़ाए बिना और शाम के व्यस्त घंटों के दौरान कटौती के समय (आउटेज) में योगदान दिए बिना अपने ईवी को चार्ज कर सकते हैं।

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशा–निर्देश 2024 भारत के एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में चुनौतियों का समाधान करके और ईवी अपनाने को बढ़ावा देने वाले ये दिशा–निर्देश एक स्वच्छ परिवहन प्रणाली का आधार तैयार करते हैं। एक व्यापक ईवी चार्जिंग नेटवर्क जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करेगा, वाहनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा और वायु गुणवत्ता में सुधार करेगा, जो भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप होगा। जैसे–जैसे देश अक्षय ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है, इन दिशा–निर्देशों के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना इसकी ऊर्जा परिवर्तन रणनीति के लिए महत्वपूर्ण होगा।

अंधविश्वास राष्ट्रजीवन के लिए घातक

हृदयनारायण दीक्षित

अंधविश्वास बढ़ रहा है। अंधविश्वास राष्ट्रजीवन के लिए घातक है। परीक्षा में सफलता के लिए लोग ठगने वाले बाबाओं की शरण में जा रहे हैं। देश को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। आखिरकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मतलब क्या है? संसार प्रत्यक्ष है। विज्ञान कार्य कारण की व्याख्या है। भारतीय दर्शन में तर्क और प्रतितर्क का विशेष महत्व है। आधुनिक विज्ञान सब कुछ जानने की जिज्ञासा है। प्राचीन काल में ऋषि सृष्टि रहस्यों पर विचार करते थे। सृष्टि रहस्यपूर्ण है भी। ऋग्वेद में जिज्ञासा है कि मरुत (वायु) किस शक्ति से वर्षा करते हैं? और किस देश

से आते हैं? सूर्य प्रत्यक्ष हैं। संपूर्ण जगत के लिए उपास्य हैं। भौतिक सत्य हैं। ऋषि की जिज्ञासा है कि, ''वह रात्रि में किस क्षेत्र को प्रकाशित करते हैं।'' वैदिक समाज को सूर्य के दर्शन में आनंद मिलता था। सूर्य पर अनेक सूक्त हैं। आधुनिक विज्ञान ने अनेक सौरमण्डल जान लिए हैं। ऋग्वेद में इसी से मिलती–जुलती जिज्ञासा है कि सूर्य हैं कितने? यहां सूर्य पर एक मजेदार प्रश्न है कि सूर्य आकाश से क्यों नहीं गिरता? उसका आधार क्या है? ऋग्वेद में ऐसे सैकड़ो प्रश्न हैं। क्या इन प्रश्नों को वैज्ञानिक नहीं माना जा सकता? विज्ञान का जन्म और विकास ऐसी ही प्रश्न बेचैन जिज्ञासा से हुआ है। संसार के सर्जक एक देवता का नाम विश्वकर्मा था। ऋषि का प्रश्न है कि जब संसार नहीं था तब विश्वकर्मा ने कहां बैठकर संसार बनाया। वे सृष्टि निर्माण की सामग्री कहां से लाएं?

विज्ञान भौतिक जगत के अणु परमाणुओं व गोचर प्रपंचों का अध्ययन है। चरक संहिता प्राचीन ज्ञान का महान ग्रंथ है। चरक संहिता में आत्मा को द्रव्य बताया गया है। यही बात इसके पहले वैशेषिक दर्शन में है। वैशेषिक दर्शन में आत्मा को द्रव्य बताने की घोषणा क्रांतिकारी है। प्राचीन विज्ञान की जड़ें प्राचीन संस्कृति में हैं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने बड़ी उन्नति की है। परम्परा की जड़ों को देखना जांचना अवैज्ञानिक नहीं हो सकता। अथर्ववेद के एक ऋषि ने सफेद बालों को काला करने की दवा खोजी थी। इसे विज्ञान कहेंगे या अध्यात्म। कभी–कभी प्राचीनता के समर्थक भी अतिउत्साह में आधुनिक काल में हुई खोजों को प्राचीन बताते हैं। यह विषय विशेष शोध के लायक है। भारतीय काव्य परंपरा में आकाश मार्ग और विमान के उल्लेख हैं। विमान की बात कल्पना हो सकती है। विमान की कल्पना के लिए भी वैज्ञानिक चित्त चाहिए। प्राचीन काल में विमान थे या नहीं थे यह शोध का विषय है। इतिहास और पुरातत्व का है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए साक्ष्य चाहिए। प्राचीन आख्यान के एक मजेदार पात्र हैं नारद। वह बिना किसी वाहन के दुनिया के किसी भी कोने की यात्रा कर लेते हैं। धरती और आकाश की भी। उनके हाथ में सुंदर वाद्ययंत्र है। नारद का उल्लेख ऋग्वेद में है। महाभारत में है। रामायण में है। नारद यत्र तत्र सर्वत्र भ्रमण करते हैं। वे इतिहास के पात्र हो सकते हैं और नहीं भी। दुनिया के किसी भी ग्रंथ में नारद जैसा पात्र नहीं है। वैदिक भारत में तर्कशास्त्र और दर्शन का विकास हो रहा था। आधुनिक काल में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने का काम यहां के विद्वानों ने किया।

प्राचीन भारत अंधविश्वासी नहीं था। ऋग्वेद में प्रकृति के भीतर एक सारभूत नियम व्यवस्था का उल्लेख है। डॉ0 राधाकृष्णन के अनुसार ''ईश्वर भी प्राकृतिक संविधान में हस्तक्षेप नहीं कर सकता।'' प्राचीन विज्ञान में सृष्टि के गोचर प्रपंचों की गहन जिज्ञासा थी। तैत्तिरीय उपनिषद् (उत्तर वैदिक काल) में भृगु को पिता ने बताया ''अन्न ही संपूर्णता है। अन्न से प्राण हैं।'' यहां प्रत्यक्ष वैज्ञानिक भौतिकवाद है। फिर कहा ''प्राण ही सर्वस्व हैं। प्राण के कारण प्राणी हैं।'' यहां भी कोई अंधविश्वास नहीं। आगे बताया कि ''मन ही सब कुछ है और फिर बताया ''विज्ञान ही सब कुछ है। विज्ञान से ही प्राणी जन्म लेते हैं। जीवित रहते हैं और विज्ञान में ही समा जाते हैं।'' यहां विज्ञान शिखर है। विज्ञान अर्थात प्रकृति के अकाट्य नियम। अंत में कहा कि लेकिन ''आनंद ही सर्वस्व है। अन्न, मन, प्राण या विज्ञान सबका उद्देश्य आनंद ही है।''

प्रयोगसिद्धि विज्ञान की प्रमुख कसौटी है। व्यक्तिगत अनुभूति वैज्ञानिक नहीं होती। सार्वजनिक सिद्धि जरूरी है। भारी भरकम उपकरण या प्रयोगशालाएं ही किसी ज्ञान को विज्ञान नहीं बनाते। आईंस्टीन ने लिखा है ''जिसने भी उन औजारों और विधियों का व्यवहार सीख लिया है, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में वैज्ञानिक प्रतीत होते हैं, मैं उसे वैज्ञानिक नहीं मानूंगा। मैं उन व्यक्तियों की बात कर रहा हूं जिनमें वैज्ञानिक मानसिकता–साइंटिफिक मेन्टालिटी जीवंत है।'' यहां वैज्ञानिक मानसिकता पर ही जोर है। वैज्ञानिक मानसिकता क्या है? भारत अंधविश्वास मुक्त और जिज्ञासु था। धरती, आकाश और सौरमण्डल को जानने जांचने को बेचैन था। इसलिए प्राचीन ज्ञान विज्ञान को कोरा मिथक कहना राष्ट्रजीवन का सीधा अपमान है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण में ज्ञान की कोई अवस्था अंतिम नहीं होती। ज्ञान निरंतर विकासमान प्रक्रिया है। न प्राचीन विज्ञान पूर्ण था और न ही आधुनिक विज्ञान ही पूर्ण है।

गणित विज्ञान की आत्मा है। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार ''शून्य के अंक का आविष्कार संभवतः हिन्दुओं ने किया।'' लिखा है कि 1 से 10 अंकों के प्रतीक अधिकतर भारत में उत्पन्न हुए। अरबों ने उनका प्रयोग किया। उन्हें हिन्दू अरेबिक अंक कहा जाता है।'' संस्कृत में शति 10 सूचक और 100 के लिए शतम् है। इसका लैटिन रूप केंतुम और जर्मन में हुंड या हुडा है, अंग्रेजी का हंड्रेड इसी का विस्तार हो सकता है। वैदिक मंत्रों में 10 उंगलियों का अनेक बार उल्लेख है। एस0एन0 सेन ने 'हिस्ट्री आफ साइंसेज इन इण्डिया' में लिखा है ''शब्दांक और दाशमिक स्थानगत मूल व्यवस्था में व्यवहार एक अन्य अपूर्व भारतीय विकास है। गणित का विकास विश्लेषक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रमाण है। दशमलव पद्धति विश्व को भारत की देन है।'' नीढेम ने 'साइंस एण्ड सिविलाइजेशन इन चाइना' में लिखा, ''शून्य का प्रयोग 1247 ई0 में चीन में मिलता है। धारणा है कि वह सीधे भारत से प्राप्त किया गया है।''

गणित और विज्ञान का जन्म भारत में हुआ। 1 के साथ शून्य लगाकर बना 10 महत्वपूर्ण अंक है। ऋग्वेद के अनुसार ''10 दिशाएं हैं। इन्द्रियां भी 10 हैं। विराट पुरूष 10 अंगुल में विश्व घेरता है।'' 100 अंक का भी उल्लेख है–100 शरद् का जीवन चाहिए।'' शून्य वाली संख्या मजेदार ढंग से बढ़ती है ''वरूण 100 औषधियां रखते हैं और हजार भी।'' पुरूष सहस्त्र शिरो वाला, सहस्त्र पैरों वाला है।'' मैक्डनल और कीथ ने वैदिक साहित्य से अनेक संख्याओं का उल्लेख किया है। उन्होंने समय माप के दाशमिक विभाजन का भी ब्योरा दिया है। बीज गणित का विकास यहां हुआ। हड़प्पा स्थापत्य प्राचीन रेखागणित का साक्ष्य है। जर्मन विद्वान डॉ0 थामस के अनुसार हड़प्पा सभ्यता के मापक यंत्र गणित ज्ञान की गवाही है। पृथ्वी की गतिशीलता और गुरूत्व अथर्ववेद में है। वेदों में हजारों वनस्पतियों का उल्लेख है। यहां धातु उद्योग भी है। वस्त्र उद्योग भी है। भारत को प्राचीन ज्ञान, विज्ञान पर गर्व है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण हमारा उत्तराधिकार है। भारत के वैज्ञानिकों ने उत्कृष्ट कार्य किए हैं। प्राचीन ज्ञान का स्वाभिमान और आधुनिक विज्ञान की ग्राह्यता में भारत का भविष्य उज्जवल है।

महिलाएं परिवार की रीढ़ होती हैं-जनपद न्यायाधीश

विकास भवन सभागार में ''विधान से समाधान'' कार्यक्रम का आयोजन

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय महिला आयोग के निर्देश एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार विकास भवन सभागार में ''विधान से समाधान'' कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं के हितार्थ विधिक जागरूकता कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महिलाओं को संबोधित करते हुए जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद ने कहा कि महिलाएं परिवार की रीढ़ होती हैं, न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत विधि के अनुसार महिलाओं को उनके अधिकारों को प्राप्त करने में सहयोग करने हेतु विधान से समाधान विधिक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जनपद न्यायाधीश ने भरण पोषण अधिनियम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि तहसील पट्टी में स्थापित ग्राम न्यायालय में जो गांव उस क्षेत्र में आते हैं वहां की महिलाएं भरण पोषण से संबंधित वाद ग्राम न्यायालय पट्टी में दाखिल कर सकती हैं और उसकी अपील जिला न्यायालय में की जा सकती है। इस प्रकार उन्हें न्याय प्राप्त करने के जनपद में ही दो अवसर प्राप्त होंगे।

इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विधान से समाधान कार्यक्रम की शुरुआत की गई है हमारे देश की 70 प्रतिशत आबादी गांव में रहती है। गांव की महिलाओं के सशक्त होने से जहां वह अपने अधिकारों को प्राप्त करेंगी, वही वह दूसरे के अधिकारों को प्राप्त करने में मदद करेंगी। इस अवसर पर उपायुक्त स्वत रोजगार अश्वनी कुमार ने कहा कि आज महिलाएं

सशक्त होकर विकास के पथ पर अग्रसर हो रही हैं, कानूनी रूप से सशक्त होने से उन्हें और मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्योति शाक्य ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जागरूकता अधिकारों को प्राप्त करने का माध्यम है। डॉ पारुल सक्सेना चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु पेट के निचले हिस्से में लगातार दर्द होने पर महिलाएं जांच अवश्य कराए, जिससे समय रहते इसका इलाज हो सके। उन्होंने एनीमिया के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि हरी सब्जियां ,काले चने, गुड़ एवं आयरन की गोली के सेवन के माध्यम से एनीमिया से बचाव किया जा सकता है। इस अवसर पर एंटी रोमियो प्रभारी प्रीति कटियार ने महिला सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1090, 181 एवं साइबर अपराधों से बचाव के संदर्भ में 1930 के विषय में जानकारी प्रदान किया।

रिसोर्स पर्सन नाजिया नफीस अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे एसिड हमला, बलात्कार, अपहरण, किसी भी प्रकार का यौन हमला, मानव तस्करी, क्रूरता, पाक्सो अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न व उससे बचने के उपाय के बारें मे बताते हुये महिलाओं को जागरूक किया गया। उन्होंने यह भी बताया गया कि ऐसा होने पर शिकायत कहां दी जा सकती है। भारतीय संविधान और फैक्ट्री अधिनियम के तहत महिलाओं के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन महिलाओं तथा सामान्य जन के हितार्थ सरकारी योजनाओं के संबंध में व सम्पत्ति में महिलाओं के अधिकार, घरेलू हिंसा अधिनियम, भरण–पोषण अधिनियम आदि के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला मिशन प्रबंधक सुमन पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से समाज सशक्त होगा। कार्यक्रम का संचालन राम प्रकाश पाण्डेय पीएलवी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया।इस अवसर पर महेंद्र त्रिपाठी, गिरीश पाण्डेय, रामचंद्र मिश्र, अमन त्रिपाठी, सुरेंद्र कुमार ने महिलाओं से जुड़े कानूनों पर विचार व्यक्त किया। जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं को जागरूक करने के लिए पंपलेट एवम किट वितरित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रही। शिविर में निलेश पाण्डेय, शैलेश ओझा ,अजय शर्मा एवं प्रमोद सिंह यादव ने सहयोग प्रदान किया।

सैनिक कल्याण की सैनिक बन्धु की मासिक बैठक

मेरठ(आरएनएस)। पूर्व सैनिकों एवं शहीद व दिवंगत सैनिकों की पत्नियों तथा उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण हेतु जिला सैनिक बन्धु की नवम्बर 2024 की मासिक बैठक आज जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी मेरठ कैप्टन राकेश शुक्ला की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय मेरठ के मीटिंग हाल में आयोजित की गयी, जिसमें जिलाधिकारी महोदय की ओर से नामित अपर जिलाधिकारी (नगर) बृजेश सिंह उपस्थित रहे।बैठक में आदेश दिया गया कि भूतपूर्व सैनिको व उनके आश्रितो के लम्बित मसले खासकर जमीन के विवाद का एक निश्चित समय में निस्तारण किया जाये। पूर्व के प्रशासन से लम्बित 10 मामलो एवं 04 नये मामलो पर चर्चा की गयी व पुलिस प्रशासन से लम्बित 45 मामलो की सूची पुलिस प्रशासन की तरफ से उपस्थित प्रतिनिधी क्षेत्राधिकारी दौराला श्रीमति सुचिता सिंह को सौंपी गयी।

उपरोक्त मामलो में मुख्यतः जमीनी विवाद, शस्त्र लाईसेन्स नवीनीकरण, रास्ते सम्बन्धित विवाद व पुलिस सम्बन्धित मामलो पर त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन टाडा के कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त पुलिस सम्बन्धित मामलो कर त्वरित निस्तारण किया गया है जो कि पहले नही किया जाता था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का भूतपूर्व सैनिको की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने हेतु अत्यन्त आभार प्रकट किया जाता है।बैठक में भूतपूर्व सैनिक अनिल कुमार की जमीन से सम्बन्धित प्रकरण को अपर जिलाधिकारी (नगर) बृजेश सिंह ने निस्तारण हेतु निर्देशित किया। पुलिस प्रशासन से लम्बित 45 मामलो की सूची पुलिस प्रशासन को सौंपी गयी इन मामलो में पुलिस प्रशासन द्वारा जल्द निस्तारण किये जाने का प्रयास किया जा रहा है।

पिता की फटकार से नाराज होकर लगाई फांसी

चायल, कौशाम्बी। पूरामुफ्ती थानाक्षेत्र के मादपुर गांव में शनिवार सुबह पिता की फटकार से नाराज होकर युवक फांसी के फंदे पर लटक गया। युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।मादपुर गांव निवासी शिवलाल गुप्ता लाई–चना का ठेला लगाकर परिवार का गुजारा करते हैं। परिजनों के अनुसार 22 वर्षीय रिंकू गुप्ता नशे का आदी था। इसी बात को लेकर घर में अक्सर विवाद होता रहता था। शनिवार सुबह भी इसी बात को लेकर पिता ने उसे फटकार लगा दिया। फटकार लगने के बाद वह नाराज होकर कमरे में चला गया। वहां उसने रस्सी के सहारे धन्नी में फांसी के फंदे पर लटक गया। इससे उसकी मौत हो गई। कुछ देर के बाद परिजनों ने शव फंदे पर लटका देखा तो उनके होश उड़ गए। चीख पुकार सुनकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। इस सम्बंध में एसओ मनोज कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जानकारी नहीं है।

संक्षेप

प्रतियोगिता को छात्र–छात्राएं रवाना

चित्रकूट(आरएनएस)। मंडलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता जनपद हमीरपुर में राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम के मैदान में संपन्न होगी। जनपद चित्रकूट से लगभग 170 छात्र–छात्राएं व 35 अध्यापक रवाना हुए।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा के निर्देशानुसार जिला व्यायाम शिक्षक दयानंद सिंह ने ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी रामनगर, पांचो ब्लॉकों के व्यायाम शिक्षक, टीम प्रभारी एवं अध्यापक मौजूद रहे। जिला ग्राम शिक्षक दैनिक सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में रिले रेस, खो खो, वॉलीबॉल, कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस मौके पर कमलेश सिंह यादव, आनंद यादव, रोहिणी मिश्रा, कल्याण सिंह, राममनी सिंह, वंदना द्विवेदी, अरविंद, गयाराम, रामयश, रामसूरत, खेमराज, महेंद्र सिंह, श्री कृष्ण, श्याम सुंदर यादव आदि मौजूद रहे।

रोटावेटर की चपेट में हुई मौत

पाली, हरदोई(आरएनएस)। पाली थाना क्षेत्र के लखमापुर गांव में खेत की जुताई करवा रहे एक किसान की रोटावेटर की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार लखमापुर गांव निवासी इच्छाराम पांडेय पुत्र जुगल किशोर खेती किसानी घर परिवार का भरण पोषण करते थे। सोमवार रात करीब 9 बजे वह रोटावेटर से अपने खेत की जुताई करवा रहे थे, तभी वह रोटावेटर की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिजनों में हड़कंप मच गया। जिससे हादसा हुआ वह ट्रैक्टर और रोटावेटर मृतक के भांजे का बताया गया। सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और अग्रिम कार्रवाई प्रचलित है।

नई दिल्ली में प्रदर्शनी को टीम रवाना

सोनभद्र ।(आरएनएस) जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने जिला खनिज फाउन्डेशन न्यास, सोनभद्र के माध्यम से पी0एम0के0के0के0वाई0 के अन्तर्गत एस0एच0जी0 के उत्पादों की प्रगति मैदान (आई0टी0पी0ओ0) नई दिल्ली में प्रदर्शनी हेतु टीम रवानगी किया गया। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह द्वारा खनिज विभाग, सोनभद्र से जिला खनिज फाउन्डेशन न्यास, सोनभद्र के माध्यम से पी0एम0के0के0के0वाई0 के अन्तर्गत जनपद–सोनभद्र के स्वयं सहायता समूहों को सहयोग प्रदान कर बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी हेतु 21 नवम्बर,2024 से 27 नवम्बर,2024 तक प्रगति मैदान (आई0टी0पी0ओ0) नई दिल्ली में लगाने हेतु स्वयं सहायता समूहों की टीम की रवानगी की गयी। डी0एम0एफ0 के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये गये उत्पादों ड्रैगनफ्रूट, मशरुम, बांस से बने प्रोडक्ट व बकरी के दूध का साबुन, शहद के प्रदर्शनी लगायी जायेगी। इस मौके पर खान निरीक्षक, लेखाकार व डी0एम0एम0–एन0आर0 एल0एम0 उपस्थित थे।

डा. बीके जैन को किया सम्मानित

चित्रकूट(आरएनएस)। सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा बीके जैन को पुणे नेत्र सेवा प्रतिष्ठान द्वारा नेत्र सेवा के क्षेत्र में पाँच दशकों के अतुलनीय कार्य एवं योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुणे में आयोजित एक विशिष्ट समारोह में काइनेटिक ग्रुप ऑफ कम्पनी के चेयरमैन अरुण फिरोदिया ने यह पुरस्कार प्रदान किया। समारोह में आयोजक डॉ. मधुसूदन झामवर प्रेसिडेंट, डॉ. सतीश देसाई अध्यक्ष, डॉ. राजेश पवार सचिव, डॉ. पीडी पाटिल की उपास्थिति में उत्कृष्ट नेत्र सेवा के कार्यों के लिए पुणे नेत्रसेवा प्रतिष्ठान की ओर से यह पुरुस्कार मिला है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने पर शुभचिंतको ने हर्ष जताया है। बता दें कि डा जैन नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अलग छाप बनाई है। जिसके लिए वह राज्यीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सहित तमाम पुरस्कारों से सम्मानित किए गए। नेत्र चिकित्सा क्षेत्र के साथ सामाजिकता के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है।

समाजसेवी ने विद्यालय में दी बेंच

देवा, बाराबंकी।समाजसेवी मनोज कुमार यादव ने स्कूली बच्चों को षिक्षा के दौरान बैठने के लिए 22 सेट बेंच भेंट की। जिसके कारण विद्यालय में बच्चो की बैठने की उचित व्यवस्था हुई। विद्यालय प्रबंधक ने समाजसेवी को धन्यवाद दिया। जानकारी के अनुसार, विकास खण्ड देवा के ग्राम पंचायत पहाड़पुर निवासी समाजसेवी मनोज कुमार यादव ने बच्चों को बैठनेकेलिए 22 सेट बेंच प्रदान किये। इस मौके पर उन्होंने पूजा अर्चना के पश्चात उपस्थित बच्चों को बताया कि जिस विद्यालय में शिक्षा दीक्षा ग्रहण किये उसकी सेवा करने में अपार खुशी की अनुभूति हो रही है। इस मौके पर विद्यालय प्रबन्धक योगेंद्र बहादुर सिंह विसेन ने समाजसेवी महोदय से आभार व्यक्तकिया।

गरीबों, असहायों को कम्बल का किया वितरण

प्रतापगढ़। जनपद में कड़ाके की ठंड एवं शीतलहर से जरूरतमंदों, गरीबों, असहायों, कमजोर वर्ग को राहत दिलाने के लिये जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन

➤ **डीएम ने रैन बसेरों व अलाव जलने वाले स्थलों का किया निरीक्षण**

विश्वकर्मा ने विभिन्न स्थलों पर लोगों को कम्बल का वितरण किया तथा जनपद में स्थापित रैन बसेरों व अलाव जलने वाले स्थलों का निरीक्षण भी किया। डीएम ने तुलसीसदन (हादीहाल) में बनाये गये रैन बसेरा का निरीक्षण कर वहां पर बनाये गये रजिस्टर का अवलोकन किया एवं गरीबों एवं असहायों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होने ईओ नगर पालिका को निर्देशित किया कि रैन बसेरा में आश्रय लेने वाले लोगों को भोजन, पीने के पानी, अलाव की व्यवस्था जरूर रहे। जिलाधिकारी ने चौक घण्टाघर पहुँचकर अलाव का निरीक्षण किया, मौके पर अलाव जलता हुआ पाया गया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठण्ड के दृष्टिगत चिन्हित स्थानों पर अलाव जलता रहे, इस दौरान वहां पर उपस्थित जरूरतमंद लोगों को डीएम, सीडीओ व एडीएम ने कम्बल वितरित किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठण्ड के दौरान कोई भी गरीब, असहाय व्यक्ति सड़क के किनारे खुले में न सोने पाये, यदि कोई व्यक्ति खुले में सोता हुआ पाया जाये तो उसे रैन बसेरा में भेजवाया जाये। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला अनुपम शेखर तिवारी, रैन बसेरा के प्रभारी योगेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

एसपी ने थाने का किया निरीक्षण

चित्रकूट (आरएनएस)। एसपी अरुण कुमार सिंह ने शनिवार को थाना पहाड़ी का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान थाना परिसर की साफ सफाई व थाना कार्यालय में रजिस्टरों के उचित रखरखाव, अद्यावधिक, बंदीगृह, सीसीटीएनएस कार्यालय, प्रभारी निरीक्षक कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क एवं नवनिर्मित भवन का निरीक्षण कर प्रभारी निरीक्षक को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह, पीआरओ प्रदीप पाल आदि मौजूद रहे।

रजिस्ट्री के लिए कैम्प का औचक निरीक्षण

जौनपुर (आरएनएस)। सीएससी सेंटर पर चल रहे फार्मर रजिस्ट्री कैंप का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण सरकार किसानों को योजनाओं का पारदर्शी तरीके से त्वरित लाभ प्रदान कर उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए एग्री स्टैक योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री द्वारा किसान कार्ड बनवा रही है जिसके द्वारा किसान सम्मान निधि सहित कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को मिलने में सहूलियत होगी। जनपद में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के निर्देशन में प्रत्येक गाँवो में कैम्प आयोजित कर फार्मर रजिस्ट्री का कार्य चल रहा है, रविवार को जिलाधिकारी द्वारा हरबसपुर गांव स्थित सीएससी पर फार्मर रजिस्ट्री हेतु चल रहे कैम्प का औचक निरीक्षण किया गया। उपस्थित किसानों को फार्मर रजिस्ट्री की उपयोगिता के बारे में विस्तार जानकारी दी गई साथ ही साथ जिले के सभी टस्म् को फार्मर रजिस्ट्री में बढ़ चढ़कर काम करने के लिए निर्देशित किये गए।

कार्यषाला का किया गया आयोजन

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद की अध्यक्षता में वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिजीज (वीपीडी) की कार्यशाला का आयोजन होटल प्रभाकर में किया गया। कार्यशाला में टीकाकरण से वंचित बच्चों को होने वाली बीमारियों एएफपी, मिजिल्स, रूबेला, काली खांसी, गला घोटू एवं टिटनेस के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। इस कार्यशाला में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा0 ए0एन0 राय, डब्ल्यूएचओ की एसएमओ डा0 सुष्मिता, डीपीएम डा0 आर0बी0 यादव, जिला सहायक प्रतिरक्षण अधिकारी महेश कुमार सिंह सहित वकील अहमद, सभी ब्लाकों के अधीक्षक, मेडिकल आफिसर तथा अर्बन से चिकित्सा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद भागवत कथा आरम्भ

बीजपुरध्सोनभद्र(आरएनएस)। डोडहर गाँव में यजमान लखपति दुबे के निवास स्थान पर श्रीमद भगवत महापुराण कथा यज्ञ के आरम्भ से पूर्व मंगलवार सुबह विशाल कलश शोभा यात्रा निकाली गयी।कलश शोभा यात्रा रिहंद जलाशय से पूजन अर्चन के बाद 151 महिलाओं संग जल उठा कर बाजे गाजे के साथ कलश लेकर आयोजित स्थल पर पहुँची जहां विधिविधान से पुरोहित ब्राह्मणों द्वारा कलश स्थापित कराया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका पूज्य प्राची जी के मुखारबिंद से सात दिवसीय श्रीमद भागवत महापुराण कथा का रसपान प्रति दिन शाम तीन बजे से शाम सात बजे तक कराया जाएगा।कार्यक्रम का प्रसारण कथा वाचिका पूज्य प्राची जी के यूट्यूब चौनल के माध्यम से किया जा रहा है।कार्यक्रम की पूर्णाहुति 26 नवम्बर दिन मंगलवार दोपहर में निर्धारित किया गया है जिसमे विशाल भंडारा किया जाएगा।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दुबे परिवार सहित उनके इष्टमित्रों रिस्तेदारो ने कथा स्थल पर हजारों श्रोताओं को बैठने के लिए शानदार टैंट कुर्सी आदि की समुचित व्यवस्था की है।प्रख्यात कथा वाचिका पूज्य प्राची जी के मुखारबिंद से श्रीमद भागवत महापुराण कथा को श्रवण करने के लिए सौकड़ों आमंत्रण कार्ड के अलावा क्षेत्र में ध्वनी प्रचारक यंत्र से प्रचार प्रसार भी कराया गया है इस धर्मिक आयोजन को लेकर गाँव सहित आस पास के क्षेत्र में काफी उत्साह है।इस अवसर पर रामजी दुवेदी अखिलेश दुबे राजेश दुबे विनय दुबे छोटेराम दुवेदी राजनारायण दुवेदी अजित दुबे सत्यनरायन दुबे शिवकान्ति दुबे रामप्रकाश पांडेय मिथिलेश मिश्रा चंद्रसेन पांडेय अमरदेव रुद्रदेव दुबे अजय दुवेदी रजनीश दुवेदी गणेश शर्मा ग्राम प्रधान केपी पाल अरबिंद दुबे आदि तमाम लोग मौजूद थे।

आयोजित हुई एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं

करारी, कौशाम्बी। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ0 मदन मोहन मिश्र प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज, उत्तर प्रदेश की अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता 2024–25 का आयोजन शनिवार को किया गया। डॉ. ए.एच. रिजवी पी.जी. कॉलेज करारी, के मैदान में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक के द्वारा किया गया।

उन्होंने रिजवी कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा खेल में किए गए योगदान की तारीफ की और कहा कि यहां खेलकूद के साथ–साथ अच्छी शिक्षा भी दी जाती हैं। इस अवसर पर डॉ0 ए.एच. रिजवी पी.जी. कॉलेज करारी के प्रबंधक कर्रार हुसैन रिजवी ने कहा कि इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के लिए एक विशेष उपलब्धि और गर्व का विषय है स उन्होंने कहा कि हार में जीतने की प्रेरणा छिपी होती है। उन्होंने शिक्षा के साथ खेल को जीवन में अहम बताया। महाविद्यालय की टीम कैप्टन प्रीति कुमारी ने मशाल प्रज्वलित कर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता शुरू होने से पहले महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष डॉ. कैप्टन अबू तल्हा अंसारी के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षक के रूप में प्रोफेसर डॉ0 मुन्ना सिंह (विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग) हड़िया पी. जी. कॉलेज हड़िया, प्रयागराज, महाविद्यालय में मौजूद रहें। जिनकी निगरानी में संपूर्ण एथलेटिक्स खेल 2024–25 संपन्न हुआ। चयनकर्ता, निर्णायक के रूप में जगदीश कुमार मौर्य, सोनी कुशवाहा, विद्या सागर, आपसा पटेल, त्रिवेंद्र पटेल आकाश सिंह रंजीत मौर्या, रामप्रसाद आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक प्रोफेसर डॉ0 मुन्ना सिंह के द्वारा खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। अंतर महाविद्यालय पुरुष महिला खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ के मौके पर डॉ. एच. रिजवी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 साकिब तौफीक एवं डॉ0 राजेश सक्सेना के द्वारा कहा गया कि खेलकूद प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को आत्मसंयम के साथ संघर्ष करना सिखाती है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेलों में हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहिए। महाविद्यालय के खेल समन्वयक डॉ0 मोहित त्रिपाठी और महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ0 मदन मोहन मिश्र एवं श्री अवधेश मिश्र ने बताया कि इस अंतर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय से संबंधित चार जिलों प्रयागराज, प्रतापगढ़,कौशांबी एवं फतेहपुर के महाविद्यालयों के युवा खिलाड़ियों ने भाग लिया और डॉ. ए. एच. रिजवी पी. जी. कॉलेज के मैदान में अपना दमखम दिखाया। विश्वविद्यालय एथलेटिक्स खेल 2024–25 के अंतर्गत 100 मी. और 200 मी. महिला दौड़ में बेनी माधव सिंह डिग्री कॉलेज की छात्रा अंजलि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मी. महिला दौड़ में डॉ. ए. एच. रिजवी डिग्री कॉलेज करारी की छात्रा प्रीति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 400 मी. महिला दौड़ में उपरदहा डिग्री कॉलेज की छात्रा शिखा गुप्ता को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। 800 मी. महिला दौड़ में उपरदहा डिग्री कॉलेज की छात्रा शिखा गुप्ता को प्रथम स्थान मिला।

प्रायोगिक शिक्षा की महत्त्वपूर्ण कड़ी है टूर

जौनपुर (आरएनएस)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के बी.बी.ए. के छात्रों का औद्योगिक भ्रमण को कुलपति प्रोफेसर वन्दना सिंह ने रवाना किया ।अपने सन्देश में कुलपति ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण प्रायोगिक शिक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी है स सैद्धांतिक शिक्षा को पूर्ण करने के लिए प्रायोगिक शिक्षा जरुरी है। औद्योगिक भ्रमण प्रायोगिक शिक्षा पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ।उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि अपने भ्रमण के दौरान सीखे गए तथ्यों को शिक्षा में प्रयोग करे जिससे वे कुशल प्रबंधक बन सके ।व्यवसाय प्रबंध विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो मुराद अली ने कहा कि विभाग ऐसे औद्योगिक भ्रमण नियमित रूप से आयोजित करता हैं जिससे व्यवसाय प्रबंधा के विद्यार्थियों को व्यवसाय जगत के बारे में नये दृष्टिकोण से अध्ययन करने का अवसर मिलता हैं स राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार छात्रों के वोकेशनल पाठ्यक्रमों को औद्योगिक जगत से जोड़ा गया हैं स छात्रों दिल्ली, मानेसर, हापुड़, गजियाबाद आदि के औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण करेंगे ।

पांच दिवसीय नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रारंभ

चित्रकूट(आरएनएस)। महानिदेशक स्कूल शिक्षा तथा राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा लखनऊ के निर्देश के क्रम में दिव्यांग श्रेणी के बच्चों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने तथा उन्हें उसी के अनुरूप शैक्षिक सपोर्ट प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक विद्यालय के एक शिक्षक को नोडल शिक्षक के रूप में समर्थ ऐप पर नामित किया गया है। विकासखंड रामनगर के ऐसे 78 नोडल

➤ **दिव्यांगों विद्यार्थियों को बेहतर सपोर्ट शिक्षा प्रदान करेंगें प्रशिक्षित शिक्षक**

शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार से बीआरसी रामनगर के सभागार में प्रारंभ हुई। यह प्रशिक्षण 50–50 प्रतिभागियों के बैच में दिए जाने का निर्देश है। ऐसे में 78 प्रतिभागियों को दो बैच में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी एनपी सिंह ने बताया कि विकासखंड रामनगर के अंतर्गत विद्यालयों में कुल 348 दिव्यांग बच्चे समर्थ पोर्टल पर रजिस्टर्ड किए गए हैं। रामनगर के 157 विद्यालयों में से 79 नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण शैक्षिक सत्र 2023–24 में संपन्न हो गया था। शेष बचे 78 विद्यालयों के नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण इस वर्ष कराया जा रहा है। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में समस्त प्रतिभागी शिक्षकों को बच्चों में विभिन्न दिव्यांगताओं की पहचान करने, दिव्यांगता की श्रेणी की अनुरूप छात्र–छात्राओं को किस प्रकार से बेहतर शैक्षिक सपोर्ट प्रदान किया जा सकता है व उनके अभिभावकों का किस प्रकार से बेहतर सहयोग प्राप्त किया जा सकता है तथा दिव्यांग श्रेणी के बच्चों के लिए बनाए गए समर्थ पोर्टल पर विभिन्न सूचनाएं कैसे दर्ज की जा सकती हैं तथा पोर्टल पर उपलब्ध रिपोर्ट का किस प्रकार से विश्लेषण कर अपने विद्यालय में बेहतर परिणाम प्राप्त किया जा सकता है आदि विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्रदान की जाएगी। इस प्रशिक्षण के उपरांत संबंधित शिक्षकों द्वारा अपने विद्यालय

के दिव्यांग श्रेणी के छात्र–छात्राओं को बेहतर शैक्षिक अनुसमर्थन प्रदान किया जा सकेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्पेशल एजुकेटर संजय कुमार पांडेय, गुड़िया रानी त्रिपाठी सहित दो प्रशिक्षित शिक्षक प्रशिक्षण दे रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी कला दर्पण का समापन

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का आयोजन एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स, एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ कैंपस, ने प्रो. (डॉ.) पूजा वर्मा निदेशक, असिस्टेंट प्रोफेसर जय गुप्ता संयोजक एवं डॉक्टर अंगद कुमार वर्मा एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स और एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी के कुशल मार्गदर्शन में अपने लखनऊ कैंपस में सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी कला दर्पण– 2024 का आयोजन किया जिसका समापन समारोह 25 दिसंबर 2024 को भव्य पुरस्कार वितरण समारोह द्वारा संपन्न हुआ। प्रयागराज के प्रख्यात अकादमी कलाकार रवीद्र कुशवाहा इस अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भारतवर्ष से एकमात्र आमंत्रित कलाकार रहे तथा पांच विदेशी कलाकार भी आमंत्रित कलाकारों में शामिल रहे। प्रदर्शनी में अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों के बहुआयामी दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया गया और 2024 का उद्देश्य कलात्मक रचनात्मकता का जश्न मनाना। इस प्रदर्शनी एव प्रतियोगिता के लिए यूएसए, यूके, कनाडा, इंग्लैंड, डेनमार्क और श्रीलंका सहित कई देशों की 200 कलाकृतियां प्रदर्शित हुई ।प्रविष्टियों का मूल्यांकन और चयन प्रख्यात कलाकारों के एक पैनल द्वारा किया गया, जिसमें श्री सीताराम कश्यप, पूर्व अध्यक्ष ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश और श्री जय चौधरी, एशियाई कला संघ, सिंगापुर के अध्यक्ष, और सुश्री अरुणा सिंह उपस्थित रहीं । प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रख्यात शिक्षाविद् और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फोटोग्राफर अनिल रिसाल सिंह ने एमिटी यूनिवर्सिटी उ. प्र. लखनऊ परिसर के प्रो–वाइस चांसलर प्रोफेसर (डॉ) अनिल वशिष्ठ की उपस्थिति में एमिटी यूनिवर्सिटी, लखनऊ परिसर की आर्ट गैलरी में किया गया। प्रोफेशनल एवं विद्यार्थी कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया ।

प्लास्टिक का दान किया।

प्रयागराज। पॉलिथीन के खिलाफ नगर निगम प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। नगर निगम ने गुरुवार को लगभग 17 कुन्तल प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। 2 टन प्लास्टिक जब्त की गई और 75 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। जोन–2 में चौक क्षेत्र के बहादुरगंज पुलिस चौकी के सामने स्थित प्रतिष्ठान आशीष ट्रेडर्स पर छापा मारकर 17 कुंतल सिंगल यूज प्लास्टिक (पॉलीथिन) जब्त की गई। इन पॉलीथिन को बोरियों में भरकर रखा गया था। ये इतनी बड़ी तादात में थी कि निगम की टीम को इसे ले जाने के लिए पिकअप का इस्तेमाल करना पड़ा। वहीं पास की एक दुकान पर भी 10 हजार रुपए जुर्माने की कार्यवाही की गई। नगर आयुक्त दीपशिखा पांडेय, जोनल अफसर श्याम कुमार सिंह, खाद्य एवं सफाई इंस्पेक्टर वीरेंद्र विक्रम सिंह, रूपेंद्र भास्कर रहे।

बैंक मैनेजर के मकान में गिरी 11 हजार वोल्ट की लाइन, पड़ोसी के घर में कूदकर परिवार ने बचाई जान

प्रयागराज। कालिंदीपुरम के द्वारका सेक्टर में रहने वाले बैंक मैनेजर राहुल श्रीवास्तव के मकान पर बुधवार सुबह बिजली का तार गिरने से आग लग गई। घर में रह रही मासूम बच्ची के साथ परिवार ने पड़ोसी के घर छलांग लगाकर जान बचाई। इस आग में स्कूटी, फर्नीचर, दरवाजा, साइकिल, आदि सामान जलकर राख हो गए। खुल्दाबाद स्थित पंजाब एंड सिंध बैंक में राहुल श्रीवास्तव बतौर शाखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। वह द्वारका सेक्टर में पिता जितेंद्र, माता गीता, पत्नी अपेक्षा और पांच साल की बेटी नव्या के साथ रहते हैं। सुबह करीब 5रू56 बजे जोरदार धमाके के साथ घर के बरामदे के साथ आग लगी थी। शोर–शराबे के बाद परिवार बाहर आया तो स्कूटी समेत अन्य सामान धू–धू जल रहा था। आग की लपटों को देख तुरंत राहुल मासूम बेटी संग दीवार फांदकर परिवार को पड़ोसी के घर में घुसे और राहत की सांस ली। गनीमत रही कि आग की घटना के बाद विद्युत विभाग को फोन कर लाइन कटवाई गई। इस हादसे में दरवाजा, लकड़ी की रेलिंग, स्कूटी, साइकिल समेत बरामदे में रखा अन्य सामान जलकर राख हो गया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या. 24/84 दिनांकः 24.12.2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	64245341	टैम्पिंग गियर बॉक्स फॉर यूएनआई-4एस / एमपीटी मशीन	13 नग	27.01.2025
2	63245601	मैनुफैक्चर एण्ड सप्लाई ऑफ फिश प्लेट 52 किग्रा. ड्राइंग नं0. टी-5915 एण्ड फिश प्लेट 60 किग्रा. ड्राइंग नं0. टी-1898	8420 सेट	29.01.2025
3	6324RC16	दिस इज टेन्डर टू इन्टर इन टू रेट कॉन्ट्रेक्ट फॉर मैनुफैक्चर एण्ड सप्लाई ऑफ इलास्टिक रेल क्लिप एमके-V ड्राइंग नं0. आरडीएसओ टी-5919.	15774707.00 नग	20.01.2025
4	6324RC19	दिस इज टेन्डर टू इन्टर इन टू रेट कॉन्ट्रेक्ट फोर मैनुफैक्चर एण्ड सप्लाई ऑफ स्क्रू क्लैम्प फॉर फिश प्लेट विद फिटिंग्स टी-5856.	35044.00 सेट	03.02.2025
5	38241921	ऑटोमेटिक ट्विस्ट लॉक फॉर बीएलसी वैगन	1468 नग	20.01.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 2171/24 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

वैदिक संस्कृति के ध्वज वाहक श्रीशंभू पंचअग्नि अखाड़े का महाकुम्भ क्षेत्र में प्रवेश।

महाकुंभ नगर। महाकुम्भ नगर में भक्ति और अध्यात्म की धारा प्रवाहित हो रही है। एक एक करके महा कुम्भ क्षेत्र में सनातन धर्म के सभी 13 अखाड़ों का प्रवेश हो रहा है। संन्यासियों के तीसरे अखाड़े श्री शंभू पंच दशनाम अग्नि अखाड़े ने छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। शहर के बीचों बीच से होकर गुजरी इस भव्य छावनी प्रवेश यात्रा का स्थानीय लोगों ने जगह–जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया। महा कुम्भ नगर में अखाड़ा सेक्टर में गुरुवार को तीसरे संन्यासी अखाड़े का भी प्रवेश हो गया। श्रीशंभू पंच अग्नि अखाड़े ने पूरी भव्यता के साथ छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। अनंत माधव स्थित अग्नि अखाड़े के स्थानीय मुख्यालय से आरम्भ हुई इस भव्य छावनी प्रवेश यात्रा में वैदिक संस्कृति और प्रतीकों की झलक देखने को मिली। शंख ध्वनि और डमरू की थाप पर वैदिक मंत्रोच्चार ने यात्रा में वैदिक युग की अनुभूति प्रदान की। हाथी , घोड़े और ऊंट के काफिले पर सवार संतों के दर्शन के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा। अग्नि अखाड़े के राष्ट्रीय महामंत्री सोमेश्वरानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि प्रवेश यात्रा में पांच महामंडलेश्वर और आचार्य महामंडलेश्वर के अलावा अखाड़े के हजारों संत और वेद विद्यार्थी शामिल हुए। अग्नि अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा अब तक सम्पन्न हुई सभी अखाड़ों की छावनी प्रवेश यात्रा में सबसे लंबी थी। चौफटका के अनंत माधव मंदिर से छावनी क्षेत्र पहुंची संतों की इस यात्रा ने 13 किलोमीटर का सफर तय किया। महा मंडलेश्वरों के रथों की सवारियों को देखने के लिए जैसे रास्तों में पूरा शहर उमड़ पड़ा। इस यात्रा आधा दर्जन ऊंट, 15 घोड़े, 60 रथ की व्यवस्था की गई है। फूलों के भव्य सिंहासन पर सवार संतों की सवारियों से पूरा क्षेत्र महक उठा। अग्नि अखाड़े की प्रवेश यात्रा का एक तिहाई मार्ग ऐसा था जो शहर पश्चिमी में आता है। यहां एक वक्त माफिया अतीक अहमद का आतंक था जिसमें इस तरह की भव्य शोभा यात्राओं का आयोजन लोगों के लिए एक दिवास्वप्न होता था। जिस समय यह यात्रा उस इलाके से गुजरी तब स्थानीय लोगों ने गुलाब की पंखुड़ियों से पूरे मार्ग को पाट दिया। स्थानीय नागरिक रघुनाथ साहू बताते हैं कि पूज्य संतो की इस भव्य यात्रा के दर्शन दशकों बाद हुए हैं। योगी जी का शासन न होता तो यह पुण्य अवसर भी इस क्षेत्र के लोगों को देखने को न मिलता।

गंगानाथ झा परिसर में तर्कसंग्रहवर्ग पर सप्तदिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में सप्तदिवसीय हैमन्तीय आवासीय कार्यशाला का समापन देश के ख्यातिलब्ध विद्वानों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य डॉ. सियारामदास नैयायिक, श्रीरघुनाथ मन्दिर, माउन्ट आबू, राजस्थान तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. नरोत्तम सेनापति, आचार्य, विश्वभारती केन्द्रीय विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, पश्चिम बंगाल रहे। मुख्य अतिथि आचार्य डॉ. सियारामदास नैयायिक ने छात्रों को तर्कसंग्रह के सिद्धान्तों के प्रति विशेष रूप से प्रयासरत रहने को प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. नरोत्तम सेनापति ने कार्यशाला में प्रतिभागी छात्रों को आगे बढ.ने को प्रेरित किया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कार्यशाला में सम्मिलित हुए छात्र–छात्राओं को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी तथा कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान में निरन्तर अध्ययन द्वारा प्रगति करने को प्रेरित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि परिसर में दिनांक 20–12–2024 से 26–12–2024 तक आयोजित इस कार्यशाला से छात्र–छात्राएँ विशेष रूप से लाभान्वित हुए होंगे। कार्यशाला के समापन सत्र का संचालन अंकित मिश्रा ने किया । सम्मानित अतिथियों का स्वागत डा. मनीष जुगरान ने किया। इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार मिश्र (विभागाध्यक्ष, वेद विभाग), प्रो. अपराजिता मिश्रा (विभागाध्यक्षा, पाण्डुलिपि विभाग), डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. रामरूप, श्री राजेशकान्त तिवारी तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण, छात्र–छात्राएँ एवं अन्य शोधच्छात्र समुपस्थित रहे। कार्यशाला का संयोजन डॉ. मनीष जुगरान एवं अंकित मिश्रा ने किया।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट आईपीएस को सौंपी गई महाकुंभ की अहम जिम्मेदारी, डश्व. अजयपाल नोडल अफसर बनाए गए

प्रयागराज। जौनपुर से स्थानांतरित होकर आए एनकाउंटर स्पेशलिस्ट नवागंतुक प्रभारी अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजयपाल महाकुंभ की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह मेला पुलिस व अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर आयोजन को सुरक्षित व सफल बनाने में योगदान देंगे। महाकुंभ को लेकर आतंकी पन्नू की धमकी को देखते हुए उन्हें उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह दो बार पहले भी कुंभ में सेवाएं दे चुके हैं। पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने बुधवार को इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिया। इसमें कहा गया कि डॉ. अजयपाल को नोडल अधिकारी महाकुंभ नियुक्त किया जाता है। वह मेला पुलिस व प्रशासन के साथ रेलवे, विकास प्राधिकरण समेत अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर महाकुंभ मेला से संबंधित समस्त कार्यों व दायित्वों का निर्वहन करेंगे। यह भी बताया गया कि डीसीपी कुंभ सिद्धार्थशंकरण मीणा व डीसीपी यातायात नीरज पांडेय बतौर सहायक नोडल अधिकारी उनका सहयोग करेंगे। कार्यभार संभाला, दो बार पहले भी कुंभ में दे चुके हैं सेवाएं नवागंतुक प्रभारी अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजयपाल ने बुधवार को प्रयागराज पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। 2013 में बतौर ट्रेनी आईपीएस व 2019 में एसपी कार्मिक के पद पर तैनात रहते हुए वह पहले भी दो बार कुंभ में सेवाएं दे चुके हैं। मूल रूप से लुधियाना, पंजाब के रहने वाले डॉ.अजयपाल 2011 बैच के आईपीएस अफसर हैं। अपनी तेजतर्रार कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. अजय पाल के जौनपुर में बतौर पुलिस अधीक्षक लगभग दो साल के कार्यकाल में 97 एनकाउंटर हुए।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**